मासिक ई–समाचार पत्रिका
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर, बिहार– 848125

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

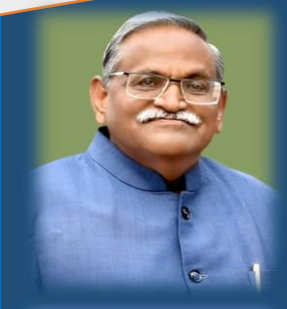

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(माननीय कुलपति)

मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्न्ता हो रही है कि हमारा विश्वविद्यालय सर्वांगीण विकास कर रहा है तथा कृषि शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में अपने प्रयासों और परिणामों के लिए राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर सराहा जा रहा है। हाल ही में जहाँ विश्वविद्यालय को भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंडल (फिक्की) द्वारा '' युनिवर्सिटी ऑफ द ईयर अवार्ड'' से सम्मानित किया गया वहीं दूसरी ओर '' एग्रीकल्चर टुडे द्वारा एग्री एजुकेशन अवार्ड्स 2021 के तहत ''उत्कृष्ट ग्रीन कैम्पस पहल'' पुरस्कार प्रदान किया गया। ये दोनों पुरस्कार प्रतिष्ठित संगठनों के द्वारा प्रदान किया गया जो इस बात का द्योतक है कि हम निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। पिछले महीने विश्वविद्यालय द्वारा एक सफल किसान मेला 2021 का भी आयोजन किया जिसमें 10,000 से अधिक किसान कृषि के आधुनिक उपकरणों और तकनीकों से लाभान्वित हुए। इन पुरस्कारों और सफलताओं से एक ओर जहां संतोषजनक भाव प्रकट होता है वहीं दूसरी ओर यह हमें हमारे क्षेत्र में और अधिक प्रयास करने और जिम्मेदार होने का भी एहसास दिलाता हैं कि हमें जो हासिल हुआ है उससे हमें निश्चिंत नही होना चाहिए, बल्कि हमें निरंतर प्रगतिशील रहते हुए नये सिरे से नई उर्जा और उत्साह के साथ भविष्य की गतिविधियों में जुट जाना चाहिए।

अंत में, मैं समस्त विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देता हूँ जिनके अथक प्रयासों से ही विश्वविद्यालय विकास के नए कृर्तिमान स्थापित कर रहा है।

माननीय कुलपति महोदय की संलग्नता:

- दिनांक 01.02.2021 को गुड़, मशरूम और सिलेज मेकिंग पर उत्पादकों के साथ आयोजित समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह में भाग लिया।
- दिनांक 03.02.2021 को पंचतंत्र हाल में विभिन्न शोध– मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मंथन सत्र की अध्यक्षता किया ।
- दिनांक 04.02.2021 को सुखेत, मधुबनी में जैविक अपशिष्ट प्रवंधन इकाई का उद्घघाटन किया और किसानों को संबोधित किया ।
- दिनांक 05.02.2021 को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत विकास आयुक्त बिहार सरकार की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय अनुमोदन समिति की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 07–09 फरवरी 2021 के दौरान तीनों दिन तक डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 पूसा द्वारा आयोजित किसान मेला 2021 में उपस्थित किसानों की सभा को संबोधित किया।

- दिनांक 13.02.2021 को जी (ZEE) बिहार झारखंड टी0वी0 चैनल पर '' कृषि अपशिष्ट के मुद्रीकरण'' विषय पर आयोजित लाइव परिचर्चा में भाग लिया।
- दिनांक 13.02.2021को कृषि इन्द्रधनुष को बढावा देने के लिये भारतीय परंपराओं पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया
- दिनांक 16.02.2021 को सचिव, कृषि विभाग , बिहार सरकार की अध्यक्षता में 'बिहार में कृषि अनुसंधान के विभिन्न मुद्दों' पर आयोजित समन्वय समिति की बैठक में सम्मानित अतिथी के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 17.02.2021 को 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 18.02.2021 को कृषि विज्ञान केन्द्र पिपराकोठी में पशु स्वास्थ्य मेले में भाग लिया और किसानों को संबोधित किया।

- दिनांक 20.02.2021 को नीति आयोग, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय और भारतीय शिक्षा मंडल द्वारा ''नई शिक्षा नीति'' विषय पर आयोजित वेबिनार में मुख्य अतिथी के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 20.02.2021 को तकनिकी सत्र III '' किसानों की समृद्धि हेतू सतत कृषि के लिये मशीनीकरण एवं नवाचार'' विषय पर मुख्य भाषण दिया।
- दिनांक 22.02.2021 को बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर भागलपुर द्वारा आयोजित किसान मेला के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथी के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 23.02.2021 को वर्चूअल मूड में आई. ऐ. यू.ए. (IAUA) की कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया।

- दिनांक 24.02.2021 को वरिष्ट वैज्ञानिकों और कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुखों के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों की वर्चुअल मोड में समीक्षा किया।
- दिनांक 25.02.2021 को अनुसंधान निदेशालय डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 पूसा के कॉन्फेंस हॉल में मशरूम उत्पादों के लेप्टों ऑर्गेनिक टेस्ट का उद्घाटन किया।
- दिनांक 25.02.2021 को डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 पूसा के सरस्वती उद्यान में पूसा एवं ढोली परिसर में प्रवेशित नये छात्रों के साथ परस्पर संवाद बैठक को सम्बोधित किया।
- दिनांक 26.02.2021 को मोकामा में आई.एफ.एस. (IFS) मॉडल का दौरा किया और किसानों को संबोधित किया।
- दिनांक 27.02.2021 को C II की बिहार वार्षिक बैठक 2021 और बिहार के कृषि और संबद्ध व्यापार क्षमता के ऊपर आयोजित सत्र को वर्चूअल मोड में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

खंड – 2, अंक – 3
मार्च, 2021

संरक्षक :–
डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(माननीय कुलपति)

संकलन एवं संपादन:
डॉ. (राकेश मणि शर्मा
रत्नेश. कु. झा
पी. कु. प्रणव
अंकुर जमवाल
आशीष कु. पंडा
गुप्तनाथ त्रिवेदी
कु. राज्यवर्द्धन)

तकनीकी सहयोग :
मनीष कुमार

प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क
www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

शिक्षा एवं शैक्षणिक गतिविधियां:

➢ कोरोना महामारी के उपरांत विश्वविद्यालय के पूर्ण रूप से खुल जाने के बाद स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाएँ पूर्ण रूप से परंपरागत और डिजिटल तरीकों से चल रही है। हालांकि, कोविड 19 के खिलाफ सभी आवश्यक सावधानियां अभी भी बरती जा रही है।

➢ बागवानी विभाग तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में खाद्य विज्ञान और फसलोत्तर प्रयोगशाला, में परास्नातक अनुसंधान शुरू किया गया है। छात्र सलाहकारों की निगरानी में बागवानी फसलोत्तर विषयो में अनुसंधान कर रहें हैं। वर्तमान में छात्र बागवानी उपज की भंडारण एवं उपयोग अवधि बढाने हेतु पौधों के अर्क के उपयोग पर काम कर रहें हैं।

➢ विश्वविद्यालय पुस्तकालय द्वारा दिनांक 19.02.2021 से 27.02.2021 तक विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में नव प्रवेशित छात्रों के लिए पुस्तकालय अनुस्तिथि एवं संवेदीकरण (ओरिएंटेशन–सेंसिटाइजेशन) कार्यक्रम चलाया गया। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय नियम, ई–संसाधन और सेवाओं के उपयोग, इ–जर्नल्स, इ–डाटावेस एक्सेस कैसे करें जैसे विषयों पर लाइव व्याख्यान दिया गया। इस कार्यक्रम में डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 के सभी 8 कॉलेजों के स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के कुल 460 नए छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में डिजिटल वातावरण में सूचनाओं के खोज, एक्सेस विशेष रूप से प्रमाणिक ई–लर्निंग के सूचना स्त्रोतों की जानकारी दी गई।

➢ वर्तमान शैक्षणिक सत्र के दौरान विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में कुल 315 छात्रों को प्रवेश दिया गया जबकि, परास्नातक कार्यक्रम में 238 और पी0 एच0 डी0 कार्यक्रम में 38 छात्रों को प्रवेश मिला।

➢ भा.कृ.अनु.प. और विश्वविद्यालय मॉप–अप के माध्यम से शैक्षणिक वर्ष 2020–21 में भारत के 26 विभिन्न राज्यों से कुल 591 (256 छात्र और 235 छात्राएँ) छात्र–छात्राओं ने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।

➢ दिनांक 25.02.2021 को माननीय कुलपति के साथ सीधे संवाद कार्यक्रम के तहत सरस्वती गार्डेन डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 परिसर, पूसा में विश्वविद्यालय के नव प्रवेशित छात्रों के लिये विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक और माननीय कुलपति महोदय द्वारा सम्बोधित किया गया। माननीय कुलपति ने अपने संबोधन में छात्रों को डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 का हिस्सा बनने के लिये बधाई दी और उन्हें अपनी शिक्षा में उत्कृष्टता हासिल करने और भारत के अच्छे नागरिक बनने की अपील किया।

अनुसंधान:

➢ ''कंद फसलों की वैज्ञानिक खेती'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

कंद फसलों पर भा.कृ.अनु.प. के अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के आदिवासी उप योजना कार्यक्रम के तहत तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के प्लांट हेल्थ क्लिनिक में '' कंद फसलों की वैज्ञानिक खेती'' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 25 से 27 फरवरी, 2021 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुजफ्फरपुर के मुरौल ब्लॉक के अनुसूचित जाति के सत्ताईस किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्घाटन निदेशक अनुसंधान द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक बीज एवं फार्म व मेंटर, कंद फसलों की उपस्थिति में किया गया। तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली ने किया। कार्यक्रम के विदाई सत्र के दौरान सभी प्रतिभागियों को कंद फसलों के प्रमाण पत्र और रोपण सामग्री वितरित की गई।

➢ प्री–वैरायटी रिलीज कमेटी का दौरा

20 फरवरी, 2021 को अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के क्षेत्र में ट्यूबर क्रॉप्स (आलू के अलावा) पर प्री–वैरायटी रिलीज कमेटी का दौरा आयोजित किया गया। यात्रा के दौरान, टीम ने शकरकंद (TSP–12–6) और यम बीन (TYB–14–9) की होनहार प्रविष्टियों का जायजा लिया, जिनको बिहार में रिलीज के लिए कंद फसलों पर वार्षिक समूह की 20 वीं बैठक द्वारा पहले से ही सिफारिश की गई है।

➢ माननीय कुलपति डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव ने प्रायोगिक प्रक्षेत्र तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में 21–02–2021 को यम– बीन बीज के एक्सट्रेक्ट द्वारा सरसों एफिड्स के नियंत्रण के बारे में इसके प्रभाव को देखने एवं इसके प्रोद्यौगिक सत्यापन के लिए दौरा किया।

➢ वस्त्र एवं परिधान डिजाइनिंग विभाग, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में केला फाइबर हस्तशिल्प बनाने पर प्रशिक्षण

18 से 21 जनवरी , 2021 से तक अपशिष्ट से धन पर उन्नत अनुसंधान केंद्र के सहयोग से वस्त्र और परिधान डिजाइनिंग विभाग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा में केले के फाइबर से हस्तशिल्प बनाने पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बीस प्रशिक्षुओं ने भाग लिया और विभिन्न उत्पादों को तैयार किया।

➢ अपशिष्ट से ऐ.सी.आर. पर हर्बल गुलाल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

हर्बल गुलाल पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 25 से 27 फरवरी, 2021 तक अपशिष्ट से धन पर उन्नत अनुसंधान केंद्र में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र शिवहर के अग्रणी छह जीविका टीम ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्हें पत्तियों, चकुंदर, हल्दी और फूलों से गुलाल तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया।

- सब्जी की फसलों पर ''फील्ड डे'' का आयोजन

स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूसा के बागवानी विभाग की ओर से सब्जी फसलों पर भा.कृ.अनु.प.– अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजा के तहत फील्ड डे का आयोजन 17 फरवरी 2021 को किया गया, इसमें भा.कृ.अनु.प.– अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत विभाग में चल रहे अनुसंधान एवं बीज उत्पादन समेत विभिन्न गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। फील्ड डे में निदेशक अनुसंधान, सह–निदेशक अनुसंधान, मुख्य अन्वेषक बीज उत्पादक, वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी एवं विभाग के छात्र उपस्थित थे।

- वायोटेक किसान हव की ओर से हर्बल शो एवं तीन दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम

पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय (ढोली कैंपस) की ओर से 21 से 23 फरवरी 2021 को हर्बल शो एवं तीन दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को डी. वी. टी. के वायोटेक किसान हब परियोजना की ओर से प्रायोजित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय कुलपति डा. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने औषधीय पौधों की खेती के अवसर एवं विश्वविद्यालय द्वारा दिये जा रहे विभिन्न सहयोग के बारे में विस्तृत चर्चा किया।

प्रसार गतिविधियाँ:

- कृषि अपशिष्ट प्रबंधन इकाई सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन– आदर्श ग्राम सुखेत में : सी.आर.ए. कार्यक्रम की एक पहल

मॉडल गाँव सुखेत में कृषि अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का उद्घाटन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र सूखेत के अन्तर्गत सुखेत गाँव में 4 फरवरी 2021 को कृषि अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का सुभारंभ किया गया तथा अपशिष्ट के पुनः चक्रण के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया गया। डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 वि0 के जलवायु परिवर्तन उत्कृष्टता केंद्र की ओर से सी.आर.ए. योजना के तहत शुरू की गई यह इकाई एक प्रशंसनीय कदम है। यहां कृषि विज्ञान केन्द्र के पदाधिकारी, जैविक अपशिष्ट जैसे फसल अवशेष, गाय का गोबर और घरेलु कचड़े को ग्रामीण घरो से एकत्र करवाते हैं और उन्हें कचड़े के बदले में घरेलु गैस उपलब्ध कराते है। गाँव के लागों को गाय के गोबर को इंधन के बजाय खाद के रूप में परिवर्तित कर उपयोग करने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। लगभग पांच सौ किसान और उनके परिवार के सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

- डा. रा. प्र. के. कृ. वि. में किसान मेला 2021

डा0 रा. प्र. के. कृ. वि. में एक भव्य किसान मेला का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में 7 फरवरी 2021 से 9 फरवरी 2021 तक आयोजित किया गया। किसान मेला का शीर्षक था ''आत्म निर्भर गाँव – स्वाभिमानी किसान''। इस मेले में देश भर से 10 हजार से अधिक किसानों ने भाग लिया। किसान मेला बहुत ही सफल रहा। इसमें शंकर बीज, उर्वरक, ट्रेक्टर, विशेष कृषि मॉडल तथा अन्य विषयों पर 160 से अधिक स्टॉल सरकारी और गैर–सरकारी कम्पनीयों की ओर से लगाये गये थे। वैज्ञानिकों ने किसानों के साथ चर्चा की और तकनिकों के बारे में उनके विचार जानें ताकि तकनीकों में किसानों के अनुसार सुधार किये जाएं। किसान मेला में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों के मनोरंजन के लिए लोक नृत्य और कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया।

- किसान मेला 2021 में पुरस्कार समारोह

किसान मेला के अंतिम दिन पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न श्रेणीयों में स्टॉल और उत्पाद निर्माताओं तथा उनकी संस्थाओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। वि0 वि0 के कृषि विज्ञान केन्द्रों को मेला में शिरकत करने के लिये प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। मधुमक्खी पालन पर ए0 आइ0 सी0 आर0 पी0 को इ0 एल0 पी0 यूनिट तथा मशालों पर ए0 आइ0 सी0 आर0 पी0 को संयुक्त रूप से द्वितीय पुरस्कार दिया गया। सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज ऑन कलाईमेट चेंज तथा एडवांस सेंटर फॉर मशरूम रिसर्च एवं डिपार्टमेंट ऑफ इंटोमोंलॉजी को विभिन्न मॉडलों के निर्माण के लिये संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार दिया गया। ये सभी मॉडल किसानों के बीच काफी लोकप्रिय रहा किसानों को उनकी खेती की जरूरतों के अनुसार लिफलेट्स, बुलेटिन तथा अन्य प्रकाशन एवं मौसम सम्बंधित जानकारी व सलाह भी दिया गया।

- कृषि विज्ञान केन्द्र सुखेत एवं कृषि विज्ञान केन्द्र सिवान द्वारा किसान मेला एवं किसान गोष्ठी का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र सुखेत की ओर से 25 फरवरी 2021 को कृषि विस्तार पर उपमिशन, विषय पर किसान मेला का आयोजन डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 के तत्वाधान में किया गया। इसको आत्मा की ओर से प्रायोजित किया गया था। मेला में मधुबनी के 21 प्रखंडों से 600 से अधिक किसानों ने शिरकत की। इसी तरह कृषि विज्ञान केन्द्र भगवानपुर टाट, सिवान तथा आत्मा सिवान की ओर से संयुक्त रू‍प से कृषि विज्ञान परिसर में 12 से 14 फरवरी 2021 को किसान मेला का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त कृषि विज्ञान केन्द्र भगवानपुर टाट द्वारा 5 फरवरी 2021 को एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय ''आलू की खेती का वैज्ञानिक प्रबंधन'' था ।

➢ कृषि विज्ञान केन्द्र वैशाली के किसान को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान सम्मान

कृषि विज्ञान केन्द्र वैशाली के दो प्रगतिशील किसानों को भारत सरकार के माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह नोमर, के द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पुसा नई दिल्ली में सम्मानित किया गया। दोनो किसानों को भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पुसा परिसर में 25 से 27 फरवरी 2021 तक चल रहे कृषि विशाल मेला के दौरान सम्मनित किया गया। श्री जीतेन्द्र सिंह को उच्च घनत्व वाले बागों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान फेलो अवार्ड मुहम्मद मुशर्रफ खलील को कृषि यांत्रिकी के लिए ''इनोवेटिव फार्मस'' अवार्ड 2021 से सम्मानित किया गया।

➢ कृषि विज्ञान केन्द्र सरैया में रावे (**RAWE**) विद्यार्थीयों का एक्सपोजर विजट एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रीय उर्वरक लिमिटेड की ओर से कृषि विज्ञान केन्द्र सरैया में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 30 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में किसानों को जैविक खाद्य भी वितरित किये गये। कृषि विज्ञान केन्द्र सरैया में रावे के 5 विद्यार्थीयों का वर्चूअल मूल्यांकन भी किया जिसमें एम0 बी0 ए0 सी0 सहरसा डी0 के0 ए0 सी किशनगंज तथा उद्यानिकी महाविद्यालय नूरसराय के छात्र एवं संयोजकों ने भाग लिया ''आत्मा'' मुजफ्फरपुर की ओर से प्रायोजित एक्सपोजर विजिट का भी आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र सरैया में किया गया जिसमें सी0 आर0 ए0 कार्यक्रम के तहत 300 से अधिक किसान सम्मिलित हुए।

➢ कृषि विज्ञान केन्द्र पिपराकोठी द्वारा पशु आरोग्य मेला एवं पशुधन प्रदर्शनी आयोजन

डा. रा. प्र. के. कृ. वि. के तत्वाधान में कृषि विज्ञान केन्द्र पिपराकोठी में 18–19 फरवरी को पशु आरोग्य मेला एवं पशुधन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें पूर्वी चम्पारण एवं आस–पास के जिलों के 4 हजार से अधिक पशुपालकों ने शिरकत किया । कार्यक्रम में देश भर के कई पशु वैज्ञानिक, पशु चिकित्सक, पशु स्वास्थय कार्यकर्ता एवं प्रसार कार्यकर्ता भी शामिल हुए ।

पुरस्कार , खेल, महत्वपूर्ण दिन आदि

➢ डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 को फेडरेसन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (फिक्की) की ओर से 16वीं फिक्की उच्च शिखर सम्मेलन के दौरान यूनिवर्सिटी ऑफ दी इयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार विश्वविद्यालय की शिक्षण अनुसंधान एवं समाजिक जिम्मेदारीयों के निर्वहन के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों के लिये एक वर्चुअल समारोह में प्रदान किया गया। समग्र रूप से छात्रों को इंडस्ट्री के अनुकुल ट्रेनिंग इण्टरप्रैयोरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम एवं कोविड 19 के दौरान असाधारण उपलब्धियों के लिये विश्वविद्यालय की विशेष रूप से प्रशंसा की गई।

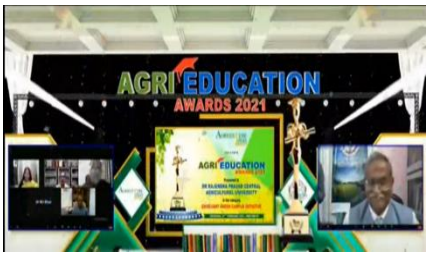

➢ एग्रीकल्चर टूडे ग्रुप की ओर से डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 को ''एक्सीलेंट ग्रीन केम्पस इनीशियेटिव'' सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कार्बन फूट प्रिंट को कम करने तथा परिसर को प्रर्यावरण अनुकुल बनाने के लिये दिया गया।

➢ प्रो0 एम0 एल0 यादव प्रमुख उद्यानिकी विभाग पी0 जी0 सी0 ए0 पूसा एवं प्रो0 एस0 के0 वर्मा , प्रो0 (बागवानी) पंडित दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय पिपराकोठी को आई0 ओ0 सी0 एल0 बरौनी में वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी के दौरान निर्णय समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

तकनीकी हिंदी अनुवाद– डॉ. राकेश मणि शर्मा एवं गुप्तनाथ त्रिवेदी